

2438

३ नमसी जी गुरु का वाचा —
सगा उने मैत्र — वच — वाजी आप
नु चे से को लोक सी साहे पकरा
उने मैत्र — व वाजी आप नु —

अं दोहा भीम सेन को वाचा —
व वाजी आप नु काम सी पहिन
ह — — — — —

ॐ नमो गुरु आगो आगो आगो गुरु वा उ
आगो सी रुरासु गोर प्रनाच वाचा रासु नरसी
गवीर दाडने रासु हनुमान वीरसुरासु अगी
नी ज्वाला पदु पी रासु भीमसेन वीर पाउरा
रासु चने पी देवी इच्छार माहा देउवाचा फु
गुरी पारवती की वाचा फु हा हिम की वाचा
फु हि कत स्वाहा — १ वोकसी वाने आप
इलाइ पने हिंदु — — —

ॐ नमो गुरु आगो मेही की वाकी वान्या दगु ही
ही प्रसीन चो हा के के वान्या द वोकसी
थात पेलनु गुरु वी वाचा वृजजोगी नी पर
गजोगी नी वाचा हि कत स्वाहा — २२ वाक
सी ची प्रेगु — — —

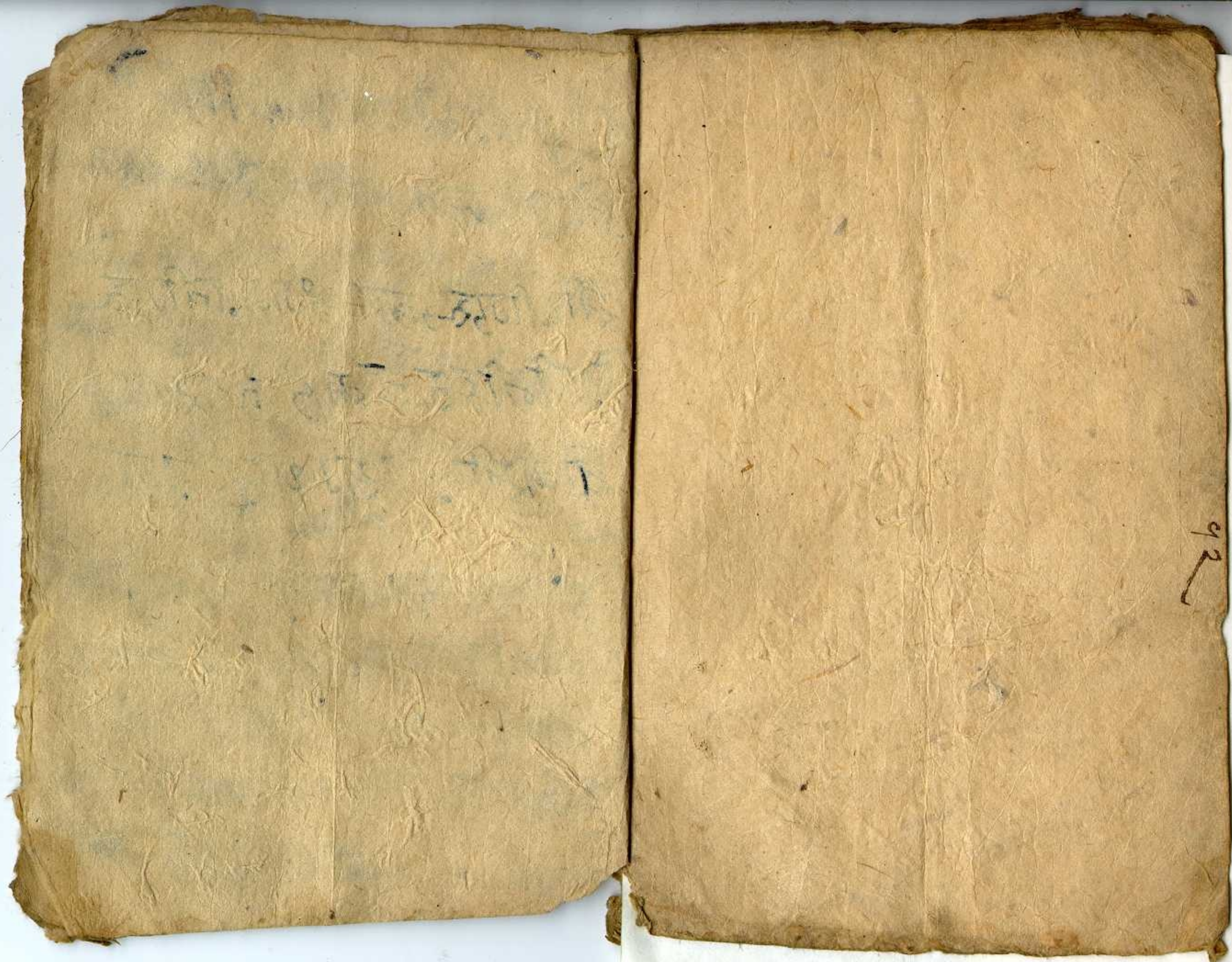
ॐ नमो गुरु आगो सुनती मेरा वताइ अषर मा
री पकर मारी दूर मारी भेर मारी वोकसी
रानी लाइ की नजर वानी रासु हनुमान
पेइ हो यताइ हनुमान को लाइ देइ तपन
रसी गुरु को परमावानी रासु हनुमान
को वीर हो साधसु पर पाहार काही
गार प्रनाच जगाइ मे कर वाचा दुइ देह
वाचा ती निंदेही वाचा गुरु के संपरी मेरा
भगरा हादी मन के वाचा फु मीन की वाचा
हि कत स्वाहा — — —
वोकसी भीरे प्राप्ते गु — ५५ सपदे
ताइ पनी हिंदु — — —

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is written in a cursive style and is mostly illegible due to fading and the texture of the aged paper. Some faint words like "महाराज" (Maharaja) and "द्वारा" (by) are visible.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is written in a cursive style and is mostly illegible due to fading and the texture of the aged paper. Some faint words like "महाराज" (Maharaja) and "द्वारा" (by) are visible.

[illegible]

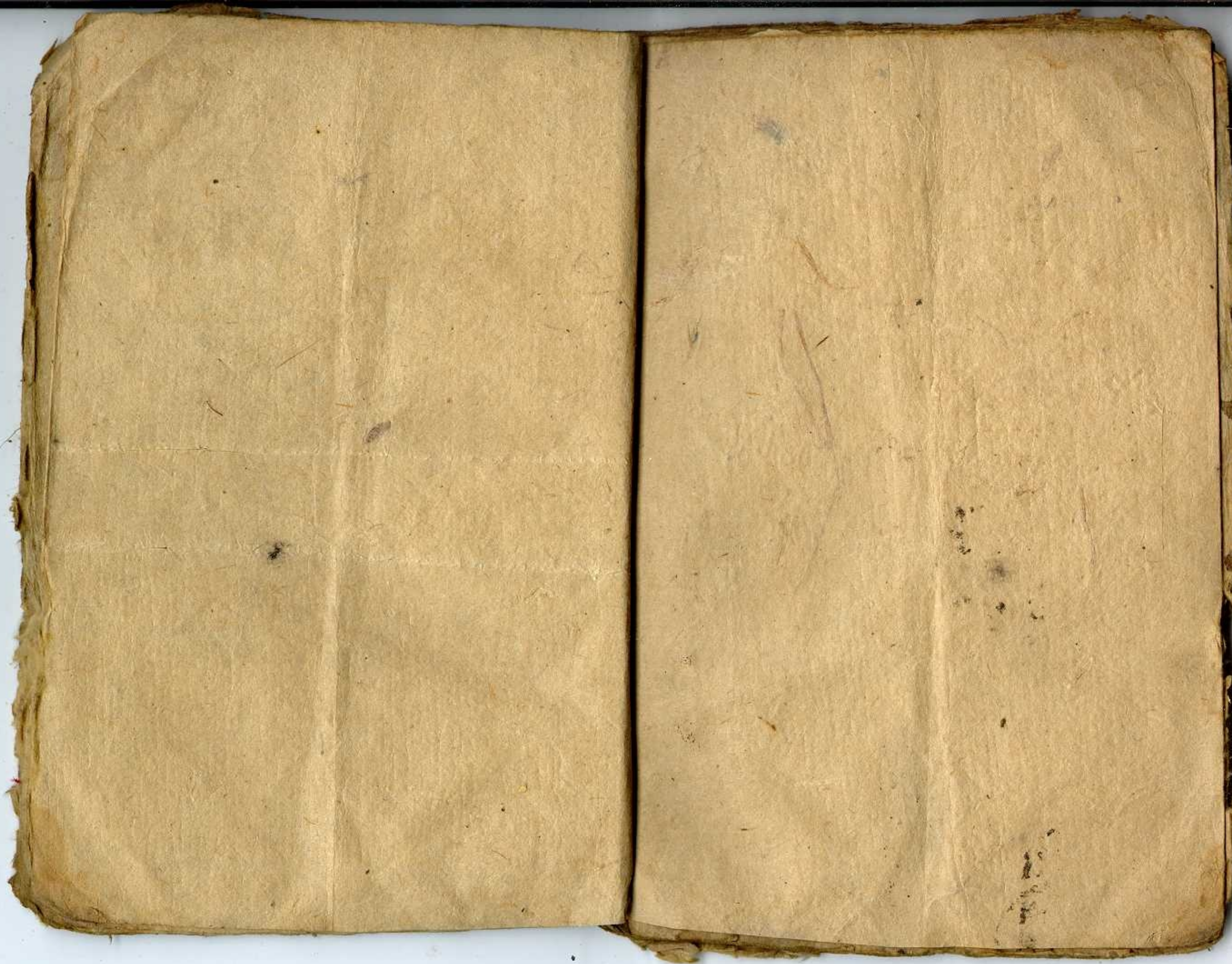
१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

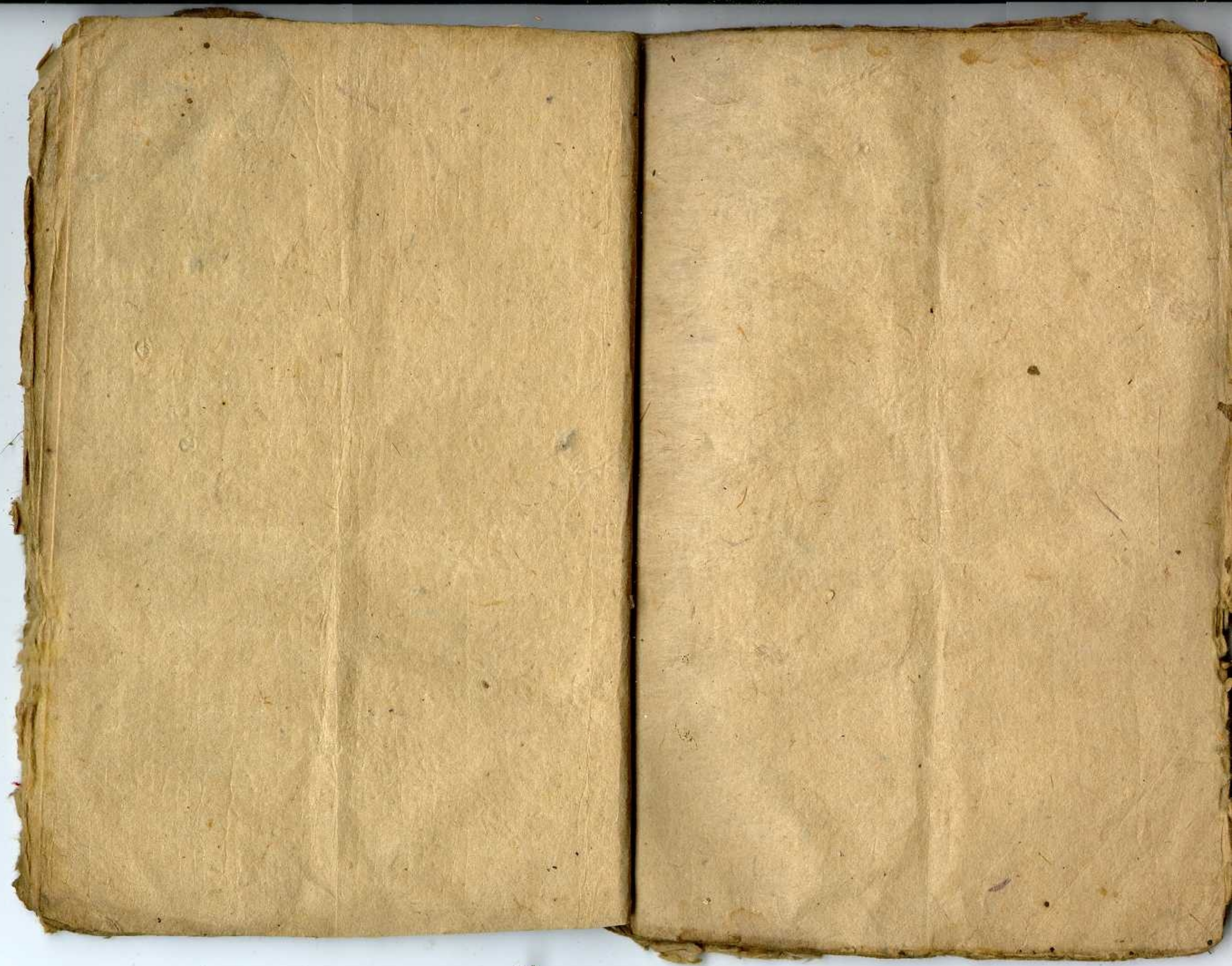




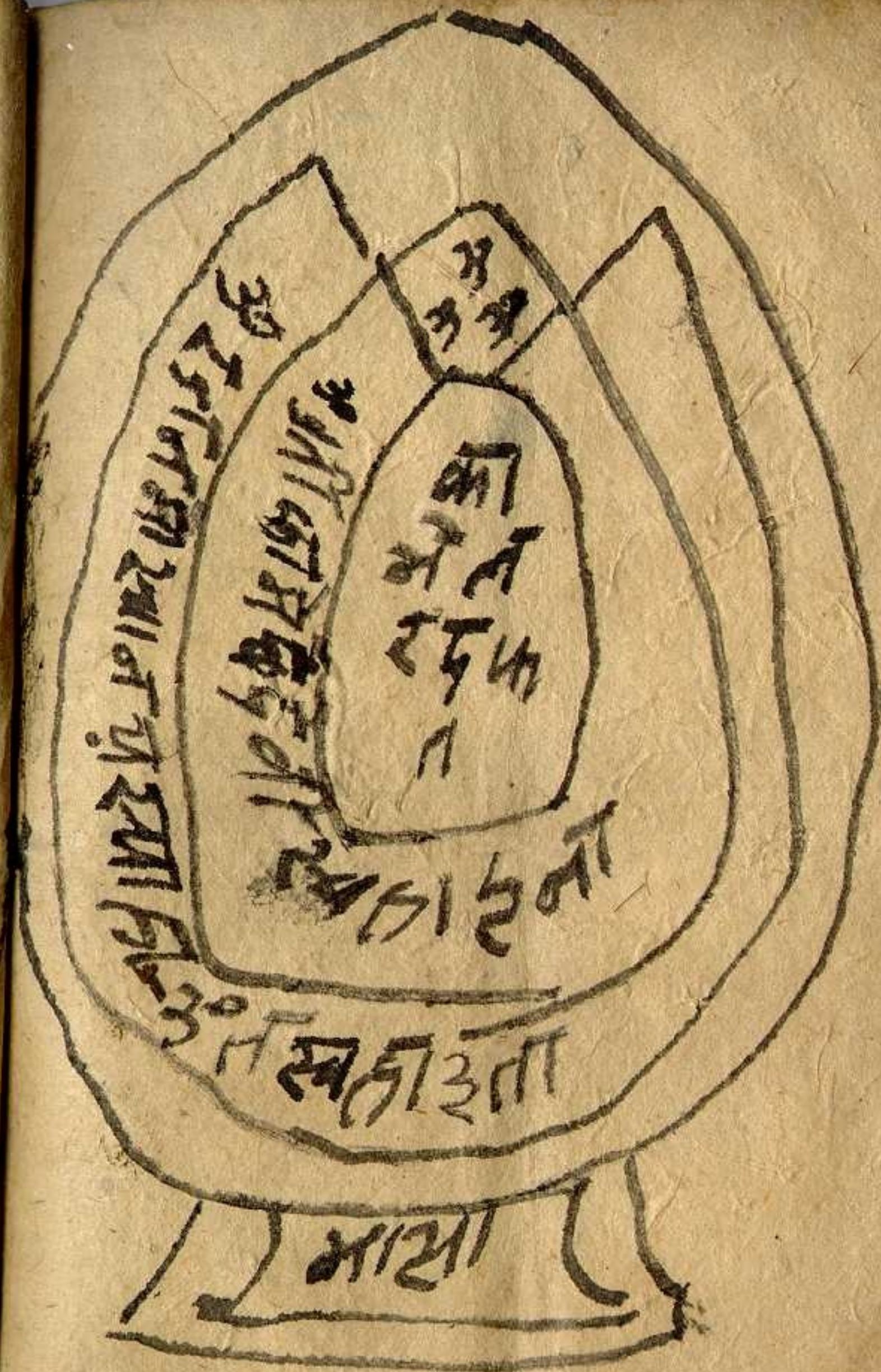
Handwritten text in a cursive script, likely a signature or date, oriented vertically on the right page.











5/10

तस्याहा - २ मये सपात
 वेपे कायी पेगा -
 अये अओइ के सम ह जाहं ही
 ये अं डो हं ववव अहं अं मुक
 वल हं कत स्याहा - १ सुप्र

द्वेपेकाक्षी प्रेमा —

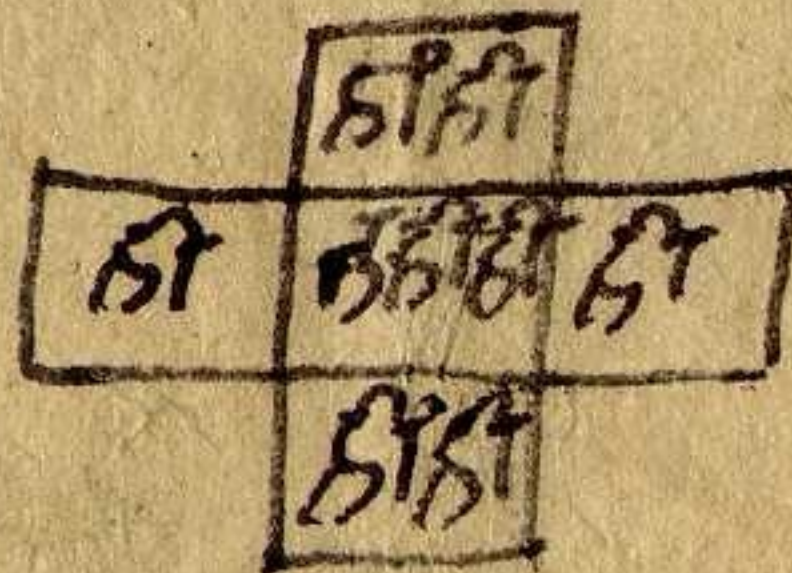
अथैवमपि के समस्त जाहंकी

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५१ - ७ ॥

ॐ मुरदु कर न ले फल हं फ स्याहा — २
 मो सा वो न्ये म्रत गु ली न के पु पु के —
 अं ध सु पा त जा प ल पा व रं स ग पा प्रे के
 म ची डा प ल पा व र न के जी व —

ॐ गुरु आ डा असि त ना हा डा प्र क तु वा
 हा हं फ स्याहा — ५ —
 पे ल सा मं व पा ना व मो सा न के व से
 पा प्रे डु हा — ५ —



ॐ गुरु अं गी गो लो व नं मु सा न पा न ही
 मो म हा ना वं मो ना प र स इ मा पा पा न

य क्र वो प्रे दे स पु ना ता प्रे मो सा
 प्रा दे स नु स नु द व पु नु भ व दे स
 व इ वा डु हा ॥

३ सीधी गुरु आप का मो सती सुहाई
हि माखरु — ३ म — ५

३ नकली कामी तीका हर सीधी माता
आसीती काई प्रसाथई — ५ — म
ही दुआ मुलापा से कुल स्याहा — २ ती
३ गुरु तीर गुरु धनारी आका सताती
लई ही मात ना पसन अका सहा वाम
नी नाचा पे नई प्रसाथ — ५ —

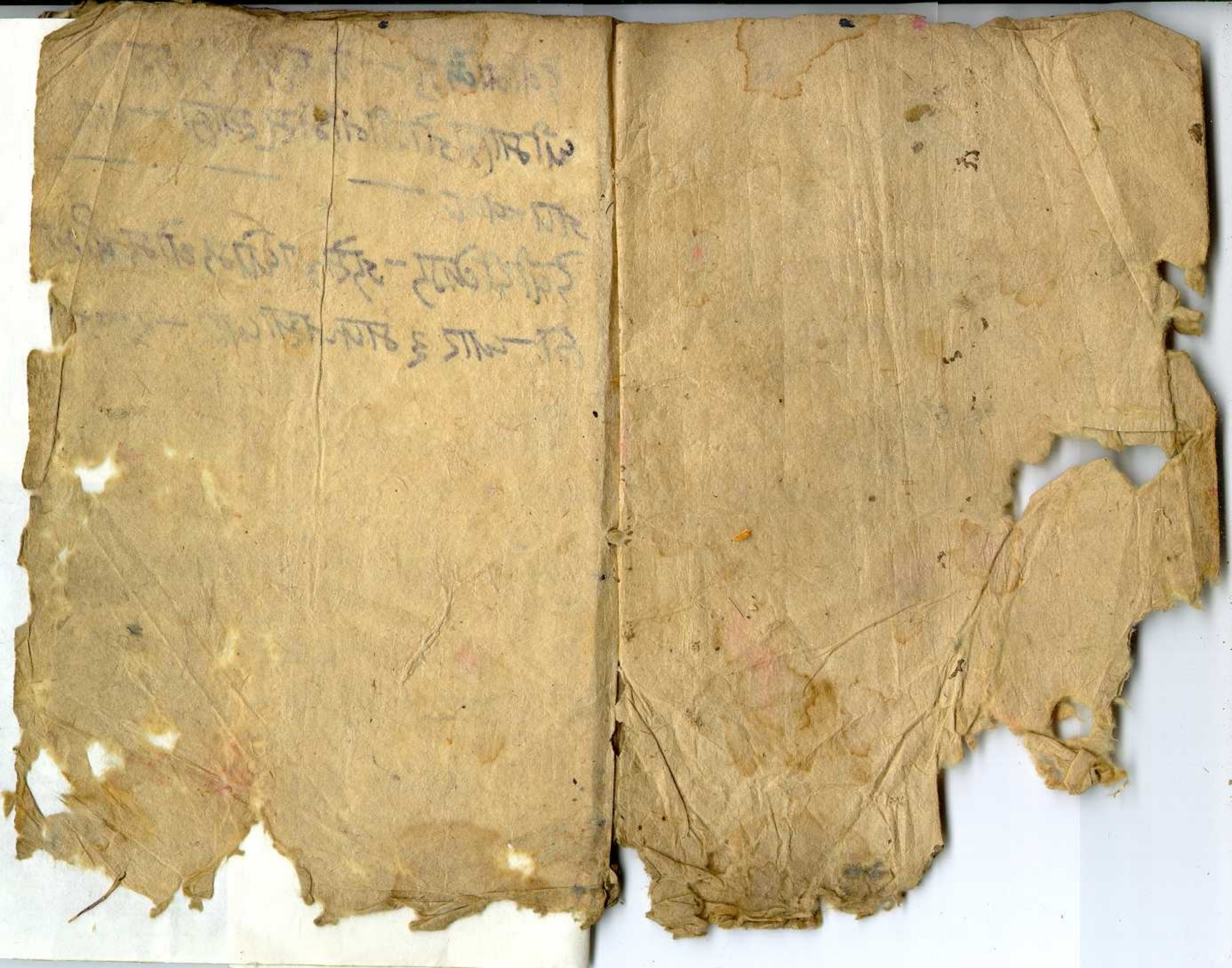
या गोल अ क प्रे के गु

३ सीधी गुरु आप का मसली स्याहा

— ३ म हनी —

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or header, possibly mentioning a deity or religious figure.

Handwritten text in Devanagari script, appearing to be a list or a series of short verses, possibly related to a religious or philosophical text.



2438